स्टाफ़ लाइब्रेरी

- 1960 के दशक के आरंभ में स्थापित;
- वर्तमान संग्रह: 34,500+ पुस्तकें, 11 समाचार पत्र और 21 आवधिक पत्रिकाएँ।

बाल कक्ष

- 8 से 17 वर्ष की अवस्था के बच्चों के लिए 21 अगस्त 2007 को स्थापित;
- वर्तमान संग्रह: 4100 से अधिक पुस्तकें और सीडी/डीवीडी ।

ई-संसाधन

- 61000 वीडियो और 24000 ऑडियो कैसेट्स;
- 5000 से अधिक पत्रिकाएँ और समाचार पत्र - मैग्ज़टर गोल्ड के माध्यम से असीमित पहुँच;
- 53 ई-बायोप्रोफ़ाइल;
- भारत के राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय राजनीतिक दलों के 26 ई-चुनावी घोषणापत्र;
- फ्लिप बुक्स;
- ई-डेटाबेस: मनुपत्र एआईआर ऑनलाइन, बार एंड बेंच, लाइव लॉ और एससीसी ऑनलाइन (लॉगिन आईडी, पासवर्ड से सुरक्षित);
- ई-संसदीय प्रलेखन: इंट्रानेट पर हिन्दी और अंग्रेज़ी में कुल 35,000 लेख अपलोड किए गए हैं (2007 से);
- ई-समाचार क्लिपिंग्स: समाचारों की लगभग 8,52,000 क्लिपिंग्स (इंट्रानेट पर उपलब्ध, 2009 से प्रारंभ);
- जेस्टोर (JSTOR): 900 प्रकाशकों द्वारा 75 विषयों में प्रकाशित 12 मिलियन पत्रिकाओं तक पहुँच प्रदान करता है
- ई-ग्रन्थालय: पुस्तकों, रिपोर्ट आदि की ऑनलाइन खोज के लिए

भारत का संसद भवन

- भारत के संसद भवन में कमरा संख्या (जी-78) में सदस्यों के लिए वाचनालय स्थापित किया गया है, जो नवीनतम प्रौद्योगिकी से सुसज्जित है।

कार्यालय का समय और अवकाश

- **सत्रावधि के दौरान**
  सोमवार से शुक्रवार - पूर्वाह्न 9:00 बजे से सायं 7:00 बजे तक या दोनों सभाओं के स्थगित होने के पश्चात् आधे घंटे तक, इनमें से जो भी बाद में हो।
  शनिवार/रविवार और अन्य अवकाश के दौरान (राष्ट्रीय अवकाश और होली को छोड़कर) – पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक

- **अंतर - सत्रावधि के दौरान**
  सोमवार से शुक्रवार - पूर्वाह्न 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक।

संपर्क करें

011-23034654, 23034925
directorparlib-lss@sansad.nic.in, ap-lss@sansad.nic.in

सोशल मीडिया

@ParliamentLibraryofIndia
@parliamentlibrary
@parliament_lib
@lib_parliament

https://sansad.in/poi/knowledge-centre
अंतिम अद्यतन: दिसंबर 2023

संसदीय ज्ञानपीठ
PARLIAMENT LIBRARY
ESTD 1921

संसद ग्रंथालय

संसद ग्रंथालय देश के सबसे उत्कृष्ट और समृद्ध ग्रंथालयों में से एक है । इस ग्रंथालय की स्थापना वर्ष 1921 में तत्कालीन केंद्रीय विधान सभा में भारतीय विधायिका के सदस्यों को सहायता प्रदान करने के लिए की गई । वर्ष 1927 में इसे संविधान सदन (पुराना संसद भवन) के केन्द्रीय कक्ष में स्थानांतरित कर दिया गया । उसी भवन में बने 'प्रिंसेस चैंबर' को वर्ष 1958 में सदस्य वाचनालय बना दिया गया । 'संसदीय ज्ञानपीठ' का उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति श्री के. आर. नारायणन के द्वारा 7 मई 2002 को किया गया । यह चार मंजिला भवन है और इसका कुल क्षेत्रफल 60,460 वर्ग मीटर है । यह एक प्रमापीय तथा केन्द्रीय वातानुकूलित भवन है और इसमें आधुनिक ग्रंथालय की सभी सुविधाएँ उपलब्ध हैं । यहाँ दृष्टिबाधित व्यक्तियों के लिए ऑडियो की सुविधा भी उपलब्ध है ।

लोक सभा सचिवालय,
नई दिल्ली

प्रयोक्ता

- संसद के वर्तमान तथा भूतपूर्व सदस्य और भारत के राज्य विधानमंडलों के वर्तमान सदस्य;
- भारत सरकार, राज्य सरकारों, सरकारी उपक्रमों और सांविधिक निकायों के अधिकारी;
- लोक सभा/राज्य सभा सचिवालय के अधिकारी तथा कर्मचारी और दोनों सचिवालयों के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी;
- भारत और अन्य देशों के प्रामाणिक शोधकर्ता;
- प्रत्यायित प्रेस संवाददाता;
- प्राइड(PRIDE) के शोध अध्येता/ प्रशिक्षु;
- ऑनलाइन पंजीकरण के माध्यम से आम जनता;
- उचित आधिकारिक अनुमति के माध्यम से सीआरपीएफ/सीपीडब्ल्यूडी में कार्यरत अधिकारी और कर्मचारी।

संसद ग्रंथालय की सदस्यता

- वर्तमान संसद सदस्य;
- भूतपूर्व संसद सदस्य (2500/- रुपए की जमानत राशि जमा कराने पर);
- लोक सभा/राज्य सभा सचिवालयों के निदेशक और ऊपर के स्तर के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी 10,000/- रुपए की जमानत राशि जमा कराने पर प्रारंभ में तीन वर्षों के लिए ग्रंथालय से पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं।

संसद ग्रंथालय द्वारा अन्य संस्थाओं की सदस्यता

- अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर, संसद ग्रंथालय 'इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशंस एंड इंस्टीट्यूशंस' (IFLA), और 'एसोसिएशन ऑफ पार्लियामेंट्री लाइब्रेरीज ऑफ एशिया एंड द पैसिफिक' (APLAP) का सदस्य है;
- राष्ट्रीय स्तर पर, यह 'इंडियन लाइब्रेरी एसोसिएशन' (ILA) और 'डेवलपिंग लाइब्रेरी नेटवर्क्स' (DELNET) का सदस्य है।

विशिष्ट संग्रह

- **भारत के संविधान' की मूल सुलेखित प्रतियाँ (हिंदी और अंग्रेजी)** – वर्ष 1994 से सीएसआईआर-एनपीएल(CSIR-NPL) द्वारा, मैसर्स गेट्टी कन्ज़र्वेशन इंस्टीट्यूट, यूएसए के सहयोग से डिजाइन किए गए नाइट्रोजन गैस से भरे दो प्रदर्श बक्सों (Glass receptacles)में संरक्षित हैं।
- **गांधीयाना** - महात्मा गांधी जी पर और उनके द्वारा लिखी गई पुस्तकें कमरा सं. जी-048 (संसदीय ज्ञानपीठ) में रखी गई हैं।
- **नेहरूआना** - पंडित जवाहरलाल नेहरू पर और उनके द्वारा लिखी गई पुस्तकें कमरा सं. जी-050 (संसदीय ज्ञानपीठ) में रखी गई हैं।
- **दुर्लभ और कला पुस्तकें** - लगभग 1000
ग्रंथालय में रखी सबसे पुरानी पुस्तक : 1671 में प्रकाशित, एफ. बर्नियर द्वारा लिखी गई 'द हिस्ट्री ऑफ द लेट रेवल्यूशन ऑफ द एम्पायर ऑफ द ग्रेट मुगल'।
- भारत के विशिष्ट व्यक्तियों, लोक सभा और राज्य सभा के वर्तमान सदस्यों, पूर्व संसद सदस्यों, डॉ. बी.आर. अम्बेडकर और प्रख्यात हिंदी कवि, प्रोफेसर रामधारी सिंह 'दिनकर' पर और उनके द्वारा लिखी गई पुस्तकों के विशेष बुक कॉर्नर्स बनाए गए हैं।

RESOURCES

इस समय ग्रंथालय का कुल संग्रह लगभग 1.9 मिलियन है।

- **पुस्तकें** – 3,26,000 पुस्तकें हिंदी, अंग्रेज़ी और क्षेत्रीय भाषाओं की हैं, जिनमें 21 क्षेत्रीय भाषाओं की लगभग 40,000 पुस्तकें सम्मिलित हैं।
- **संदर्भ पुस्तकें** - पुस्तकालय में संदर्भ के लिए विश्वकोश, राजपत्र, शब्दकोश, निर्देशिका, वार्षिकियाँ, पंचांग, मानचित्र आदि उपलब्ध हैं।
- **प्रतिवेदन और सभा पटल पर रखे गए पत्र**
  - **केंद्र सरकार** : 1,56,750+ (प्राचीनतम प्रतिवेदन: भारतीय विधि आयोग, 1842);
  - **राज्य सरकार** : 75,840+ (प्राचीनतम प्रतिवेदन: बंगाल प्रोविंशियल कमेटी, 1929);
  - **संयुक्त राष्ट्र और संबद्ध एजेंसियाँ** : 47,800+ (प्राचीनतम प्रतिवेदन: यू.एन.मॉनिटरिंग एंड फाइनेंशियल कांफ्रेंस, 1944);
  - **विदेशी संसद**: 49,600+ (प्राचीनतम प्रतिवेदन: ट्रीटीज एंड अदर इंटरनेशनल एग्रीमेंट्स ऑफ द यू.एस.ए., 1945);
  - **सभा पटल पर रखे गए पत्र** : 5800 (1951 से लोक सभा वार)।
- **अधिनियम और विधेयक** - केंद्रीय अधिनियमों की वर्ष 1836 से और सरकारी विधेयकों की 1921 से लेकर अब तक की मुद्रित प्रतियाँ (फिजिकल फार्मेट में) उपलब्ध हैं। जबकि डिजिटल प्रारूप में, लोक सभा के विधेयक वर्ष 1952 से और राज्य सभा के वर्ष 1999 से लेकर अब तक के सभी विधेयक https://sansad.in-/ls/legislation/bills पर उपलब्ध हैं।
- **समाचार पत्र** - 88 (मुद्रित रूप में)
  - **अंग्रेजी** - 30 (प्राचीनतम समाचार पत्र: 'टाइम्स', लंदन संस्करण 1947 और 'हिंदू', चेन्नई संस्करण, 1947);
  - **हिंदी** - 18 (हिंदी का प्राचीनतम समाचार पत्र: 'हिंदुस्तान', 1954);
  - **क्षेत्रीय भाषाएँ**-40;
  - **ई-पेपर्स** - 9.
- **आवधिक पत्रिकाएँ**-365
  - **अंग्रेज़ी**-285 (प्राचीनतम आवधिक पत्रिका: 'द इंडियन लॉ रिपोर्ट्स', कलकत्ता सीरीज़, 1913);
  - **हिंदी**- 48 (प्राचीनतम आवधिक पत्रिका: 'संसदीय पत्रिका', 1956);
  - **क्षेत्रीय भाषाएँ**-32;
  - **ई-जर्नल्स** - 8.